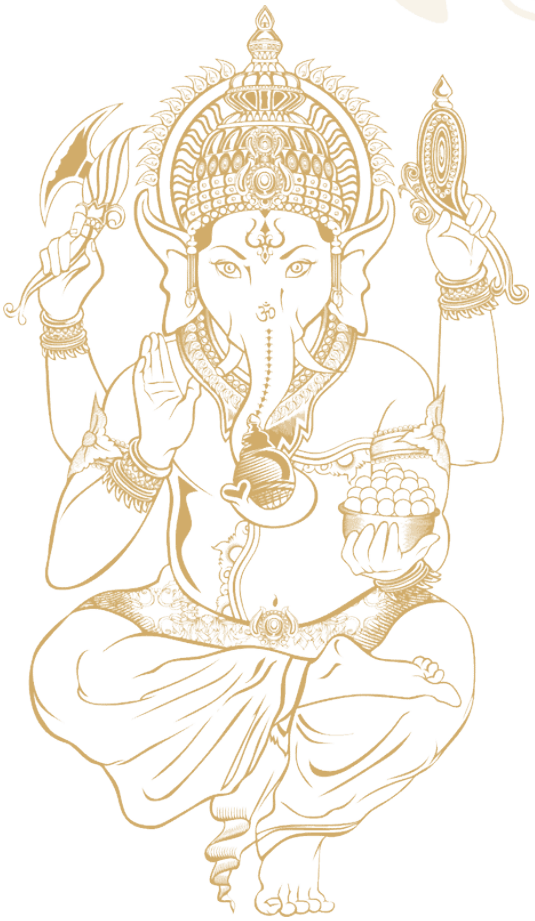

New born

11 Mar 2026

04:04 PM

Azamgarh District

Model: web-freekundliweb

Order No: 121636604

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/03/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:04:00 घंटे**
इष्ट	24:40:04 घटी
स्थान	**Azamgarh District**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:00:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:06:00 घंटे
वेलान्तर	-00:10:02 घंटे
साम्पातिक काल	03:22:25 घंटे
सूर्योदय	06:11:58 घंटे
सूर्यास्त	18:04:32 घंटे
दिनमान	11:52:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:37:59 कुम्भ
लग्न के अंश	00:40:34 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	00:40:34	316:20:46	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	---
सूर्य			कुंभ	26:37:59	00:59:55	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	27:03:19	11:53:53	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	12:44:40	00:47:15	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	18:44:11	00:54:21	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:51:46	00:00:03	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	11:58:54	01:14:32	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि			मीन	08:45:55	00:07:23	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:39:48	00:00:08	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:39:48	00:00:08	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:46:35	00:01:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:12:09	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:34:31	00:01:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	28:46:42	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

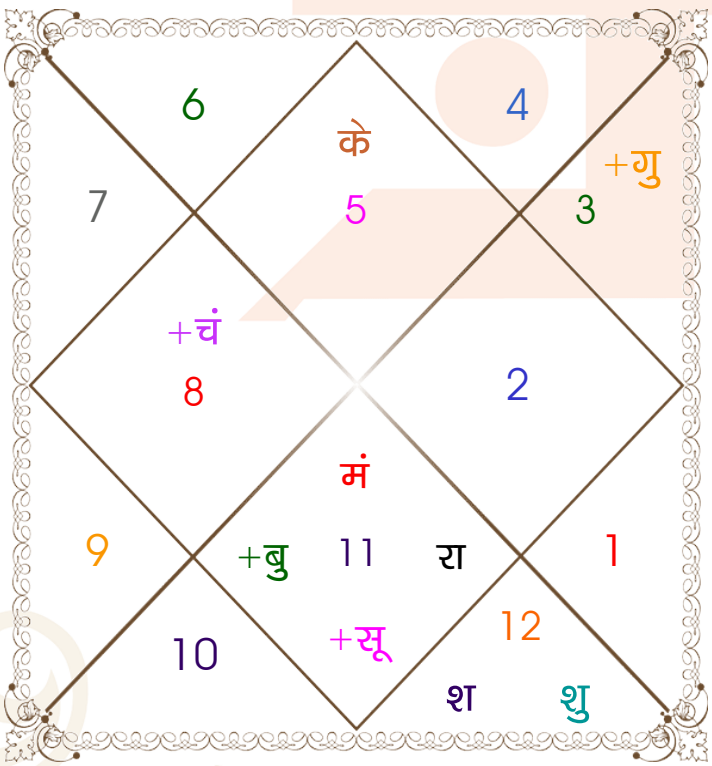

चन्द्र कुंडली

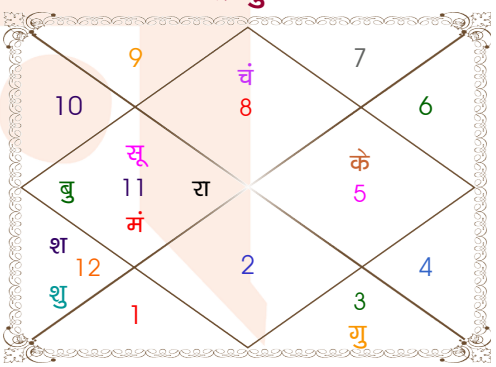

नवमांश कुंडली

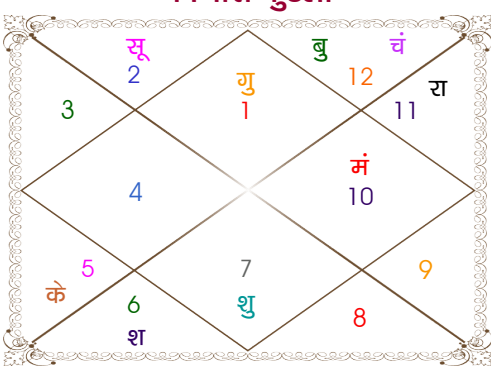

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 9 मास 1 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/03/2026		11/12/2029		11/12/2036		11/12/2056		12/12/2062	
11/12/2029		11/12/2036		11/12/2056		12/12/2062		11/12/2072	
	00/00/0000	केतु	10/05/2030	शुक्र	12/04/2040	सूर्य	31/03/2057	चंद्र	12/10/2063
	00/00/0000	शुक्र	10/07/2031	सूर्य	12/04/2041	चंद्र	29/09/2057	मंगल	12/05/2064
	00/00/0000	सूर्य	15/11/2031	चंद्र	12/12/2042	मंगल	04/02/2058	राहु	11/11/2065
	00/00/0000	चंद्र	15/06/2032	मंगल	11/02/2044	राहु	30/12/2058	गुरु	13/03/2067
	00/00/0000	मंगल	11/11/2032	राहु	11/02/2047	गुरु	18/10/2059	शनि	11/10/2068
	00/00/0000	राहु	29/11/2033	गुरु	12/10/2049	शनि	29/09/2060	बुध	13/03/2070
	11/03/2026	गुरु	05/11/2034	शनि	11/12/2052	बुध	06/08/2061	केतु	12/10/2070
गुरु	03/04/2027	शनि	15/12/2035	बुध	12/10/2055	केतु	11/12/2061	शुक्र	12/06/2072
शनि	11/12/2029	बुध	11/12/2036	केतु	11/12/2056	शुक्र	12/12/2062	सूर्य	11/12/2072

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/12/2072		12/12/2079		11/12/2097		12/12/2113		12/12/2132	
12/12/2079		11/12/2097		12/12/2113		12/12/2132		00/00/0000	
मंगल	09/05/2073	राहु	24/08/2082	गुरु	30/01/2100	शनि	15/12/2116	बुध	11/05/2135
राहु	28/05/2074	गुरु	17/01/2085	शनि	13/08/2102	बुध	25/08/2119	केतु	07/05/2136
गुरु	04/05/2075	शनि	24/11/2087	बुध	18/11/2104	केतु	03/10/2120	शुक्र	08/03/2139
शनि	12/06/2076	बुध	12/06/2090	केतु	25/10/2105	शुक्र	04/12/2123	सूर्य	12/01/2140
बुध	09/06/2077	केतु	01/07/2091	शुक्र	25/06/2108	सूर्य	15/11/2124	चंद्र	13/06/2141
केतु	05/11/2077	शुक्र	30/06/2094	सूर्य	13/04/2109	चंद्र	16/06/2126	मंगल	10/06/2142
शुक्र	05/01/2079	सूर्य	25/05/2095	चंद्र	13/08/2110	मंगल	26/07/2127	राहु	27/12/2144
सूर्य	13/05/2079	चंद्र	23/11/2096	मंगल	20/07/2111	राहु	01/06/2130	गुरु	12/03/2146
चंद्र	12/12/2079	मंगल	11/12/2097	राहु	12/12/2113	गुरु	12/12/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 8 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकती हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकती हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करती हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगी तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगी। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगी तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगी। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने की अभिलाषी रही तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करती हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाली मुलायम और घने बालों वाली समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाली एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग महिला है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राघीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकती हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगी। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पति को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।

ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।